RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार 13 जून 2024 वर्ष 06 अंक 56 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले बढ़ी रार...
भाजपा के '400 पार' वाले नारे के कारण हारे - शिंदे

Page - 4

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

ठाकरे सेना और कांग्रेस में फिर शुरू हुई वर्चस्व की जंग...!

मुंबई: लोकसभा चुनाव नतीजे के बाद फिर एक बार कांग्रेस और ठाकरे सेना में वर्चस्व की जंग शुरू हो गई है। महाविकास अघाड़ी गठबंधन में पहले सिर्फ एक सांसद होने की वजह से कांग्रेस सबसे छोटी पार्टी थी लेकिन 2024 लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन के बाद कांग्रेस अब MVA गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका अदा करना चाहती है।

वहीं, कांग्रेस को बड़ा भाई मनाने के लिए ठाकरे सेना तैयार नहीं है और इसी वजह से आए दिन शिवसेना (UBT) और महाराष्ट्र कांग्रेस में किसी न किसी मुद्दे पर विवाद होता रहता है। ताजा विवाद महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव को लेकर खड़ा हो गया था जहां ठाकरे ने बिना कांग्रेस से चर्चा किए विधान परिषद की चारों सीटों पर उम्मीदवार खड़े कर दिए। नाराज कांग्रेस ने भी दो सीटों पर उम्मीदवारों का नामांकन दाखिल कर दिया। विधान परिषद की ये 4 सीटें मुंबई स्नातक, मुंबई शिक्षक, कोकण स्नातक और नासिक शिक्षण हैं।

सीट बंटवारे के मसले को हल करने के लिए नाना पटोले लगातार उद्धव ठाकरे से संपर्क करने की कोशिश करते रहे लेकिन उद्धव ने न तो नाना का फोन उठाया और न ही कोई जवाब भिजवाया। नाना ने मीडिया से बातचीत में अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि मैंने मातोश्री फोन किया था लेकिन उनका कोई जवाब नहीं आया।

रोचक बात यह है कि इस बीच ठाकरे महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले का फोन नहीं उठा रहे थे लेकिन महाराष्ट्र कांग्रेस के जूनियर नेताओं से मातोश्री पर मुलाकात कर रहे थे। नाना की नाराजगी पर जब आदित्य ठाकरे से सवाल पूछा गया तो सीधे जवाब देने के बजाय उन्होंने कहा कि इस मुद्दे हमारी पार्टी के प्रवक्ता जवाब देंगे।

खुद को अपमानित महसूस करते हैं कांग्रेस के नेता

दरअसल, एक तरफ जहां नाना पटोले आक्रामक स्वभाव के हैं और गठबंधन में कांग्रेस के सम्मान के लिए लगातार मुखर होकर आवाज उठाते रहे हैं तो दूसरी तरफ उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र कांग्रेस के नेताओं से सीधे संपर्क नहीं करते हैं। हर विवादित मुद्दे का हल निकालने के लिए वह सीधे दिल्ली हाईकमान से बात करते हैं। ठाकरे के इस रवैये से महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता खुद को अपमानित महसूस करते हैं। लोकसभा चुनाव के पहले संजय राउत ने एक बार कहा था कि वह गली के नेताओं से बात नहीं करते हैं, जिसके बाद नाना पटोले ने भी राउत पर तंज कसते हुए कहा था कि संजय राउत बहुत विद्वान नेता हैं।

चुनाव खत्म होते ही महाराष्ट्र में चढ़ा सियासी पारा

कांग्रेस हाईकमान से बातचीत के बाद माने उद्धव

उद्धव ठाकरे और कांग्रेस हाईकमान ने बातचीत कर सीट बंटवारे पर समझौता करते हुए तय किया कि ठाकरे कोकण की सीट कांग्रेस के लिए छोड़ेंगे और कांग्रेस नासिक की सीट से ठाकरे सेना के लिए छोड़ेगी। जब इस पूरे विवाद पर उद्धव ठाकरे से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कबूल किया कि सीट बंटवारे के दौरान संवाद की कमी थी लेकिन वह ये भी बताना नहीं भूले की उन्होंने नाना पटोले के बजाय कांग्रेस हाईकमान से बातकर विवाद को हल किया। ठाकरे सेना और महाराष्ट्र कांग्रेस में जारी वर्चस्व की यह लड़ाई का यह कोई पहला वाकया नहीं है। पहले भी कई ऐसी घटनाएं हो चुकी है जब महाराष्ट्र कांग्रेस और ठाकरे सेना ने एक दूसरे को दबाने या नीचा दिखाने की कोशिश की।

माहिम में बेस्ट बस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

मुंबई : माहिम पुलिस ने एक बेस्ट बस चालक को लापरवाही से गाड़ी चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है, जिसके कारण सड़क के पास सो रहे एक पैदल यात्री की मौत हो गई। माहिम पुलिस घटना की जांच जारी रखे हुए है। पुलिस के अनुसार यह घटना मंगलवार रात करीब 11:20 बजे माहिम पश्चिम के मोरी रोड स्थित माहिम बस टर्मिनस के आउटगेट के पास हुई। बेस्ट बस चालक की पहचान यशवंत नांगरे (56) के रूप में हुई है, जो बैच नंबर 24348 के कांदिवली के चारकोप का निवासी है। ''वह बेस्ट बस नंबर MH 01 EM 5510 चला रहा था। उसने लापरवाही से गाड़ी चलाई, जिससे सड़क के पास सो रहे एक पैदल यात्री की जान चली गई। बस का पिछला टायर पैदल यात्री को टक्कर मार गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया,''एक पुलिस अधिकारी ने कहा।

स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए और उन्होंने ड्राइवर को पकड़ लिया तथा पैदल यात्री को पुलिस की मदद से अस्पताल पहुंचाया। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''हम मृतक पैदल यात्री की पहचान का विवरण प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं, जो सो रहा था और दुर्घटना का शिकार हो गया। बेस्ट ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा आगे की जांच जारी है।''

ऐरोली सेक्टर 5 में रेलवे सबवे का बीम गिरने से ट्रैफिक जाम

नवी मुंबई: कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है और ऐरोली सेक्टर 5 में रेलवे सबवे का बीम गिरने से ट्रैफिक जाम हो गया है. विभाग के अधिकारी और आपदा प्रबंधन की टीम समय पर पहुंच गयी. लेकिन इस गार्डर से महावितरण की केबल होने के कारण केवल ट्रैफिक को डायवर्ट किया जा रहा था. करीब आधे घंटे बाद महावितरण और रेलवे अधिकारी पहुंचे तो असल काम शुरू हुआ.

ठाणे-बेलापुर मार्ग पर ऐरोली सेक्टर 3 तक पहुंचने के लिए ठाणे-पनवेल रेलवे पुल के नीचे एक सबवे है। इस स्थान पर रेलवे ब्रिज की ऊंचाई अधिक न होने के कारण सब-वे से लंबे वाहनों का प्रवेश वर्जित है। साथ ही दोनों तरफ बीम यानी लोहे का आयताकार मेहराब खड़ा किया गया है। आज दोपहर को ऐरोली का मेहराब खतरनाक ढंग से एक तरफ झुक गया, जिससे यह किसी भी समय ढहने की स्थिति में आ गया।

इसकी जानकारी मिलने पर ऐरोली प्रभाग अधिकारी अशोक अहिरे और आपदा प्रबंधन टीम पहुंची. हालाँकि, इस आर्च से सटा हुआ महावितरण का केबल होने के कारण काम करना संभव नहीं था। इसलिए कूड़ा लदी दो गाड़ियों को आड़ा-तिरछा खड़ा कर ट्रैफिक रोकने की कोशिश की जा रही थी. ट्रैफिक पुलिस भी पहुंची तो ट्रैफिक नियंत्रित हुआ. महावितरण और रेलवे ने काम शुरू कर दिया है और देर रात तक जारी है. आर्च को डायवर्ट कर अस्थाई यातायात शुरू कर दिया गया है। इस पर रेल विभाग और सामान्य वितरण विभाग की टिप्पणी नहीं मिल सकी.

नवी मुंबई नगर निगम के अतिक्रमण विभाग की लापरवाही के कारण अव्यवस्था...

नवी मुंबई: नवी मुंबई नगरपालिका अतिक्रमण विभाग वर्तमान में अनधिकृत फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है, चाहे वह बार हो या इमारतें, झुग्गियां या कई जगहें। हालांकि, शहर के विभिन्न चौराहों पर लगे नेताओं के विज्ञापनों और होर्डिंगों पर ज्यादा कार्रवाई होती हो या जुमार्ना वसूला जा रहा हो, ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है. इसलिए नवी मुंबई का स्वच्छ और सुंदर शहर विरूपण की ओर बढ़ रहा है। हाल ही में लोकसभा चुनाव हुए थे. चुनाव से पहले और वोटों की गिनती के बाद शहर में बड़े पैमाने पर राजनीतिक दलों के नेताओं की तख्तियां नजर आती हैं. युद्ध कार्यक्रम होते हैं, कहाँ स्वागत, कहाँ जन्मदिन की शुभकामनाएँ, कहाँ बधाई, कहाँ हमारा नेता आदि।

पट्टिकाओं पर कई सप्ताह तक होने वाले आयोजनों या जन्मदिनों के बाद भी अनाधिकृत पोस्टर लगाने वाला भी इसे नहीं हटाता है और स्थानीय प्रखंड कार्यालय में संबंधित विभाग के अधिकारी भी नाराजगी से बचने के लिए इसे हटाने की हिम्मत नहीं करते हैं. इस सबके परिणामस्वरूप, शहर विकृत हो गया। शहर में रेलवे स्टेशनों की ओर जाने वाली सभी सड़कें, लगभग सभी चौराहे, एक भी ऐसा हिस्सा नहीं है, जहां अनाधिकृत होर्डिंग न लगी हो। कोपरखैरणे के तीन टंकियों में सतारा की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार गुट के उम्मीदवार शशिकांत शिंदे के चुनाव परिणाम आने से पहले ही जल्दबाजी में जीत जाने पर कोपरखैरणे डिविजन कार्यालय के सामने एक बोर्ड लगा दिया गया। कोपरखैर के निवासियों का कहना है कि कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है, जबकि विभाग कार्यालय के सामने यह सब हो रहा है.इसके अलावा, नाइक चौक, बोनकोड बस स्टॉप-चौक, छत्रपति शिवाजी महाराज चौक वाशी, वाशी रेलवे स्टेशन, दिवा गांव से ऐरोली में सेक्टर क्षेत्र तक पैदल यात्री पुल, दिवा चौक, घनसोली स्टेशन क्षेत्र, सानपाड़ा स्टेशन क्षेत्र, बधाई चौक, पेट्रोल पंप चौक, सारासोल बस डिपो, साधन चौक, एलपी चौक, राजीव गांधी फ्लाईओवर चौक, जुईनगर मिलेनियम पार्क, सीबीडी बेलापुर में कोकण भवन चौक, पुलिस आयुक्तालय की ओर जाने वाला चौक, दिवाली गांव, अगरोली गांव, नेरुल अक्षर चौक, गायमुख चौक, तुर्भे नाका, तुर्भे स्टोर, आईसी एल स्कूल चौक, अरंजा सर्किल आदि स्थानों पर बोर्ड लगा दिए गए हैं।

ट्रेडिंग का झांसा देकर 5 लाख 41 हजार 800 रुपए की ठगी

नवी मुंबई: समुदाय के एक विज्ञापन को गलत समझकर एक व्यक्ति ने ट्रेडिंग में 5 लाख 41 हजार 800 रुपये का निवेश कर दिया, लेकिन न तो उसका पैसा मिला और न ही कोई रिटर्न मिला। उक्त व्यक्ति द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर कोपरखैरणे पुलिस ने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ साइबर अपराध धारा के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है. कोपरखैरणे में रहने वाले वादी ने कथित तौर पर मीडिया में एक विज्ञापन देखा जिसमें उन्हें लालच दिया गया कि एक ऑनलाइन रेटिंग नौकरी है और वे इसके माध्यम से व्यापार करके अच्छा पैसा कमा सकते हैं। इसलिए, वादी ने कहा कि वह सोशल मीडिया में इस विज्ञापन में दिए गए फोन नंबर पर संपर्क करके काम करने के लिए उत्सुक था।

संपादकीय...

बेहतरी के प्रयास...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल में प्रमुख मंत्रालयों का आवंटन पुरानी नीतियां जारी रहने का संकेत देता है। इससे वित्तीय बाजारों में भरोसा पैदा होना चाहिए जो चुनाव नतीजों के बाद लड़खड़ाते नजर आए थे। बहरहाल, एक ओर जहां व्यापक निरंतरता से अल्पावधि में विश्वास बढ़ाने में मदद मिलेगी, वहीं बदलते हालात के साथ नीतियों में परिवर्तन भी आवश्यक है। इस संदर्भ में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से उम्मीद की जाएगी कि वह हालिया वर्षों की बुनियाद पर आगे बढ़ेंगी। उनका पिछला कार्यकाल हाल के समय में किसी भी वित्त मंत्री के लिहाज से सर्वाधिक कठिन कार्यकाल था। मोटे तौर पर ऐसा महामारी के कारण लगे झटकों की वजह से था। हालांकि भारत महामारी के कारण लगे झटके से मजबूती से उबरने में कामयाब रहा लेकिन चल रहे प्रयासों की मदद से ही टिकाऊ वृद्धि हासिल की जा सकेगी और देश की राजकोषीय स्थिति को बेहतर बनाया जा सकेगा। वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 8.2 फीसदी की दर से बढ़ोतरी हुई और माना जा रहा है कि चालू वर्ष में यह दर 7 फीसदी रहेगी। राजकोषीय मोर्चे पर सरकार 2025-26 तक सकल घरेलू उत्पाद के 4.5 फीसदी के बराबर राजकोषीय घाटा लक्ष्य हासिल करने की दिशा में बढ़ती नजर आ रही है। अपेक्षा से अधिक राजस्व संग्रह और आर्थिक वृद्धि ने राजकोषीय घाटे को गत वित्त वर्ष के दौरान ही कम करके 5.6 फीसदी के स्तर पर ला दिया था। अंतरिम बजट में इसके लिए 5.8 फीसदी का संशोधित लक्ष्य रखा गया था।

चालू वर्ष में भारतीय रिजर्व बैंक (फ्हक) की ओर से अपेक्षा से अधिक अधिशेष स्थानांतरण भी सरकारी वित्त की मदद करेगा। अब जबकि सीतारमण और उनकी टीम पूर्ण बजट तैयार करना शुरू करेंगे, जिसे जुलाई में पेश किए जाने की उम्मीद है तो बेहतर होगा कि वे रिजर्व बैंक के अतिरिक्त अधिशेष का इस्तेमाल राजकोषीय घाटा कम करने में करें और उसे मध्यम अवधि के लक्ष्य के करीब ले जाएं। नए राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए अतिरिक्त व्यय का दबाव बन सकता है। इन सब बातों के बीच सरकार अतीत के वर्षों में कड़ी मेहनत से हासिल राजकोषीय लाभ को हाथ से नहीं जाने दे। बल्कि सुझाव यह होगा कि राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 3 फीसदी के स्तर तक लाने के लिए संशोधित राजकोषीय पथ प्रस्तुत किया जाए। ऋण और जीडीपी के अनुपात को अधिक प्रबंधनयोग्य स्तर पर लाने के लिहाज से भी यह बहुत महत्त्वपूर्ण होगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पूर्वानुमानों के अनुसार भारत का आम सरकारी ऋण 2029 तक महामारी के पहले के स्तर से ऊपर बना रह सकता है। राजस्व समायोजन के संबंध में केंद्र सरकार को जीएसटी परिषद में तत्काल वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी की दरों और स्लैब को युक्तिसंगत बनाने का प्रयास करना चाहिए।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में बैंक मैनेजर से कंपनी के निदेशक के नाम पर धोखाधड़ी, मामला दर्ज

मुंबई: बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) क्षेत्र में एक बैंक खाते से आठ लाख रुपये निकालने के लिए एक बैंक प्रबंधक को एक निजी कंपनी के निदेशक के नाम पर एक फर्जी आवेदन भेजा गया था। इसका एहसास होने पर बैंक मैनेजर ने बीकेसी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में पुलिस ने सूचना प्रौद्योगिकी दुरुपयोग निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है.

मीरा रोड में रहने वाली 39 वर्षीय शिकायतकर्ता एक निजी बैंक में शाखा प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। 13 मई को वह बैंक में काम कर रहा था। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें फोन कर कहा कि वह गैलेक्सी डायमंड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से अकाउंटेंट बोल रहा है। उन्होंने शिकायतकताओं को बताया कि कंपनी के कर्मचारी निदेशक के साथ एक कर्मचारी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराने आये थे. उनकी कंपनी के निदेशक चिरागकुमार संघवी ने शिकायतकर्ता के मोबाइल पर एक अनुरोध किया है। इस आवेदन पर तत्काल आठ लाख रुपये बैंक खाते में ट्रांसफर करने का अनुरोध किया गया. शिकायतकर्ता ने मोबाइल पर अनुरोध पत्र देखा। उन्होंने पाया कि आवेदन कंपनी के आधिकारिक लेटरहेड पर किया गया था। इसमें अखिलेश कुमार नाम के व्यक्ति के खाते में आठ लाख रुपये ट्रांसफर करने का अनुरोध किया गया था. विश्वास हासिल करने के लिए आवेदन पर कंपनी के निदेशक चिरागकुमार संघवी, मोनिका संघवी ने हस्ताक्षर किए। उसने लेटरहेड और हस्ताक्षर को कंपनी के निदेशक का समझकर संबंधित बैंक खाते में रकम ट्रांसफर कर दी। तीन दिन बाद कंपनी का एक कर्मचारी बैंक आया और शिकायतकर्ता बैंक मैनेजर से 8 लाख रुपये के लेनदेन पर चर्चा की और घटना बताई। कर्मचारी ने कहा, कंपनी के निदेशकों ने कभी किसी से लेटरहेड पर इस तरह से पैसे ट्रांसफर करने का अनुरोध नहीं किया था। कंपनी के निदेशक महाबलेश्वर ने भी स्पष्ट किया कि ऐसा कोई आवेदन नहीं किया गया था। ऐसे में बैंक मैनेजर को एहसास हुआ कि आरोपी ने उसके साथ धोखाधड़ी की है। इसकी भनक लगते ही बैंक की ओर से मैनेजर ने बीकेसी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। बैंक खाते की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी समेत सूचना प्रौद्योगिकी रोकथाम अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है.

पुलिस आयुक्तालय में 5 पुलिसकर्मियों को पदोन्नति मिली...

वसई: मीरा-भाईंदर और वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के 5 सहायक पुलिस निरीक्षकों को पुलिस निरीक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया है। उनमें से चार को पदोन्नत कर महाराष्ट्र साइबर विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया है। पदोन्नति कोटे में पुलिस निरीक्षकों की रिक्तियां 25 अप्रैल 2004 की वरिष्ठता के आधार पर भरी जाती हैं। वर्ष 2024 के बाद सरकारी सेवा में आये सहायक पुलिस निरीक्षकों को उनकी मूल वरिष्ठता के अनुसार पुलिस निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया जा रहा है। शासन के निर्णय के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति ने पिछले वर्ष ऐसी पदोन्नति के लिए पात्रता की जांच कर चयन सूची तैयार की थी। इस संबंध में महाराष्ट्र प्रशासनिक न्यायाधिकरण (एमएटी) में याचिकाएं दायर की गईं। अंततः सीधी भर्ती नियमों एवं याचिकाओं के निर्णय के अनुसार मार्च माह में क्रमांक सहित आदेश पारित किया गया।

ठाणे में भारी बारिश के बाद भूस्खलन, ऑटो-रिक्शा पर पत्थर गिरने से 2 लोगों की मौत

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मालशेज घाट पर भारी बारिश के कारण भूस्खलन के बाद ऑटो-रिक्शा पर बड़ा पत्थर गिरने से एक व्यक्ति और एक नाबालिग लड़के की मौत हो गई, जबकि एक महिला घायल बताई जा रहा है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना कल्याण-अहमदनगर राजमार्ग पर मंगलवार शाम को हुई, जिसके बाद मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। टोकावडे पुलिस स्टेशन के निरीक्षक दिनकर चकोर ने बताया कि एक परिवार के पांच सदस्य पड़ोसी मुंबई के मुलुंड से अहमदनगर जिले के संगमनेर जा रहे ऑटो-रिक्शा में यात्रा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि वाहन पर 15-20 किलोग्राम वजन का पत्थर गिरा।

55 वर्षीय महिला गंभीर रूप से हुई घायल

पड़ोसी पुणे जिले के ओटूर पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक लहू ताथे ने बताया कि राहुल बबन भालेराव (30) और उनके भतीजे स्वयं सचिन भालेराव (7) की मौत हो गई। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि 55 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

मनपा स्कूली बच्चों को स्कूल के पहले दिन सामग्री मिलना मुश्किल

मनपा ने चुनाव को ठहराया देरी का कारण

मुंबई : नए शैक्षणिक वर्ष में मनपा के स्कूल 15 जून से खुल जाएंगे। मनपा हर साल स्कूली बच्चो को 27 वस्तुएं मुफ्त में देती है। मनपा का हर साल प्रयास रहता है कि स्कूल खुलने के पहले दिन बच्चों को दी जाने वाली वस्तुएं बच्चों को मिल जाएं। इस साल मनपा स्कूली बच्चों को इस साल पहले दिन सामग्री मिलना संभव नजर नहीं आ रहा है।

मनपा के एक अधिकारी ने बताया कि नए शिक्षा सत्र के शुरूआती सप्ताह में प्रशासन बच्चों को कुछ सामग्री देने की कोशिश करेगा। लेकिन सभी 27 वस्तु बच्चों को मुहैया कराने में थोड़ा समय लगेगा। मंडप ने कहा है कि सामग्री उपलब्ध कराने वाले ठेकेदारों को निर्देश दिया गया है कि जल्द से जल्द सामग्री उपलब्ध कराई जाए। अधिकारी ने बताया कि 16 मार्च को लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लगने से टेंडर और वर्क ऑर्डर में देरी हुई। फिर भी हमारी कोशिश है कि कुछ सामान शुरूआती दिनों में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया जाए। मनपा अधिकारियों के इस तरह के वक्तव्य पर विपक्ष का कहना है कि क्या यह पहली बार लोकसभा चुनाव हो रहा है क्या। चुनाव तो हर साल लगे रहते हैं, मनपा बच्चों की शिक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है।

डोंबिवली के एमआईडीसी में स्थित केमिकल कंपनी में लगी भीषण आग... कई किलोमीटर से दिख रहा धुएं का गुबार

ठाणे : महाराष्ट्र के डोंबिवली शहर में एमआईडीसी में स्थित एक पब्लिक लिमिटेड केमिकल कंपनी में बुधवार को जोरदार धमाके के बाद भीषण आग लग गई. पिछले तीन हफ्ते में यह दूसरी ऐसी घटना है. डोंबिवली फायर ब्रिगेड कंट्रोल के अनुसार, किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है, लेकिन कई टीमें आग बुझाने के काम में लगी हुई हैं. डोंबिवली फायर कंट्रोल के अनुसार, घनी आबादी वाले आवासीय इलाकों से घिरा महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) परिसर फेज क्क में इंडो एमाइंस लिमिटेड में सुबह करीब 10 बजे आग लग गई. अधिकारी ने कहा, ''सूचना मिलते ही तुरंत कम से कम सात दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजकर आग बुझाने के काम में लगाया गया. साथ ही मेडिकल टीमों को भी घटनास्थल पर भेजा गया है.

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कम से कम दो बड़े धमाके हुए और उसके बाद भीषण आग लग गई. घने काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया. बता दें कि 23 मई को अमुदन केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड में कई धमाके हुए थे. इस घटना में एक दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी और 60 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे.

महाराष्ट्र में एमवीए में अनबनः
विधान परिषद की चारों सीटों पर उद्धव ने घोषित किए प्रत्याशी, कांग्रेस नाराज

महाराष्ट्र : लोकसभा चुनाव खत्म होते ही महाराष्ट्र में विधान परिषद शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र को लेकर महा विकास आघाड़ी (एमवीए) में अनबन शुरू हो गई है। सूबे की चार सीटों पर विधान परिषद के शिक्षक और स्नातक क्षेत्र के चुनाव हो रहे है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने बिना चर्चा के ही चारों सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं, जिससे कांग्रेस नेता नाराज हो गए हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने मंगलवार को कहा कि विधान परिषद चुनाव को लेकर उद्धव ठाकरे ने कोई चर्चा नहीं की। इस संबंध में जब हमने ठाकरे से बात करने की कोशिश की तो उन्होंने फोन तक नहीं उठाया। चुनाव आयोग ने मुंबई शिक्षक और मुंबई स्नातक के अलावा नासिक शिक्षक और कोकण स्नातक क्षेत्र के चुनाव की घोषणा की है। इन चारों सीटों के लिए 26 जून को मतदान होगा। नामांकन वापसी की तिथि 12 जून है। इसी बीच उद्धव ठाकरे और कांग्रेस के बीच अनबन की शुरूआत हुई है। नाना पटोले ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) नासिक और कोकण में अपने उम्मीदवार वापस ले। वहीं, इस बारे में उद्धव ठाकरे के पुत्र विधायक आदित्य ठाकरे ने कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी। लेकिन विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने कहा कि पारंपरिक तरीके से जिन चार सीटों पर शिवसेना ने उम्मीदवार की घोषणा की है।

अयोध्या में बीजेपी की हार पर शरद पवार ने दी प्रतिक्रिया, बोले- 'हम डरे हुए थे, लेकिन...'

महाराष्ट्र : एनसीपी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि अयोध्या के लोगों ने लोकसभा चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार को हराकर दिखाया है कि 'मंदिर की राजनीति' को कैसे ठीक किया जाए. शरद पवार ने बारामती में व्यापारियों की एक बैठक में इस बात पर प्रकाश डाला कि बीजेपी ने पांच साल पहले 300 से अधिक सीट हासिल की थी, लेकिन इस बार उसकी सीट संख्या घटकर 240 रह गई जो बहुमत से काफी कम है. शरद पवार ने कहा, ''मुझे लग रहा था कि राम मंदिर चुनावी एजेंडा होगा और सत्तारूढ़ दल को वोट मिलेंगे, लेकिन हमारे देश के लोग काफी समझदार हैं.'' उन्होंने कहा कि जब लोगों को एहसास हुआ कि मंदिर के नाम पर वोट मांगे जा रहे हैं तो उन्होंने अलग रुख अपनाने का फैसला किया और बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा. पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'हम वोट मांगने के लिए मंदिर को चुनावी एजेंडे के रूप में इस्तेमाल किए जाने से डरे हुए थे, लेकिन अयोध्या के लोगों ने (बीजेपी उम्मीदवार को हराकर) दिखाया कि 'मंदिर की राजनीति' को कैसे ठीक किया जाए.'

इससे पहले शरद पवार ने कहा था कि हाल में हुए लोकसभा चुनाव में लोगों ने एक या दो व्यक्तियों के हाथों में सत्ता केंद्रित होने से रोकने के लिए मतदान किया. उन्होंने कहा कि कि सत्तारूढ़ बीजेपी को यदि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल (यूनाइटेड), एन चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी और अन्य सहयोगी दलों का समर्थन नहीं मिलता तो उसके लिए 543 सदस्यीय लोकसभा में 272 का बहुमत आंकड़ा हासिल करना कठिन होता.

सपा के अवधेश प्रसाद ने बीजेपी सांसद लल्लू सिंह को हराया

फैजाबाद संसदीय क्षेत्र में एक बड़े उलटफेर में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार अवधेश प्रसाद ने हाल के चुनाव में मौजूदा बीजेपी सांसद लल्लू सिंह को 54,567 मतों के अंतर से हराया. अयोध्या नगरी फैजाबाद संसदीय क्षेत्र में ही है.

शादी का वादा कर महिला से बलात्कार, 36 वर्षीय युवक गिरफ्तार

नवी मुंबई : नवी मुंबई पुलिस ने महिला से शादी का वादा कर उसके साथ बलात्कार करने के आरोप में 36 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 29 वर्षीय महिला ने पनवेल पुलिस थाने में मोसिन हनीफ मुजावर नाम के व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने पुलिस को बताया कि उसके आरोपी के साथ प्रेम संबंधथे, जिसने शादी का वादा कर उससे बलात्कार किया तथा बाद में रिश्ता खत्म कर दिया।

पुलिस ने बताया कि सोमवार को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 (बलात्कार) और 376(2) (एन) (किसी महिला से बार-बार बलात्कार करना) के तहत मामला दर्ज किया गया और देर रात आरोपी को हिरासत में ले लिया गया।

तीन आरोपियों ने एक महिला के साथ किया घिनौना कृत्य

ठाणे : ठाणे शहर में तीन आरोपियों द्वारा एक महिला के साथ घिनोना कृत्य करने का एक सनसनी खेज मामला प्रकाश में आया है। मामला कलवा पुलिस थाने इलाके का है। आरोपियों के खिलाफ कलवा पुलिस थाने में मामला दर्ज हुआ है। मिली जानकारी अनुसार घटना तीस मई 2024 की

है। पीड़ित महिला कलवा के विटावा इलाके की रहने वाली है। इलाके का रहने वाला अरोपी उमेश शिंदे अपने दो साथियों के साथ 30 मई के दिन दोपहर लगभग एक बजे महिला के घर आया। इसी दौरान तीनों आरोपियों ने महिला के साथ जबरदस्ती गैंग रेप किया और प्रताड़ित किया। इतना ही नहीं पुलिस थाने में दर्ज शिकायत में बताया गया है कि आरोपियों ने पीड़िता के गुप्तांग में लकड़े का बेलन ठूस दिया।

33 किलो सोना, 19 करोड़ कीमत... अंडर गारमेंट्स में छिपा कर लाई दो विदेशी महिलाएं, एक 8 महीने की गर्भवती

मुंबई: महाराष्ट्र के मुंबई एयरपोर्ट से कस्टम विभाग ने एक गर्भवती समेत दो विदेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। इन दोनों से तलाशी के दौरान भारी मात्रा में सोना बरामद किया है। कस्टम विभाग ने कुल 33 किलो सोना बरामदा किया है। इस सोने की कीमत 19 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इन दोनों महिलाओं ने ये सोना अपने अंडर गारमेंट्स और बैग में छिपाया हुआ था। सोने की तस्करी के इस तरीके को देखकर कस्टम विभाग के अधिकारी भी हैरान हैं। फिलहाल दोनों महिलाओं से कस्टम विभाग पूछताछ कर रहा है।

कस्टम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को नैरोबी की दो महिलाओं को 19 करोड़ रुपये मूल्य की 33 किलोग्राम सोने की छड़ों की तस्करी के आरोप में पकड़ा गया। सोना उनके अंडर गारमेंट्स और बैगेज में छिपाया हुआ था। यह इस साल मुंबई आने वाले हवाई यात्रियों से जब्त किए गए सबसे बड़े सोने में से एक है। अधिकारियों ने कहा कि इन दोनों महिलाओं को अलग-अलग पकड़ा गया है। लेकिन ये दोनों एक ही सोने की तस्करी करने वाले गिरोह का हिस्सा हैं।

दोनों महिलाओं को अलग-अलग गिरफ्तार किया

पहले मामले में, 26 वर्षीय अंजाल आब्दी काला से पूछताछ की

गई। वह ग्रीन चैनल से चली गई और उसने कोई भी शुल्क योग्य सामान ले जाने से इनकार कर दिया। महिला अधिकारियों ने व्यक्तिगत तलाशी ली और उसके अंडरगारमेंट्स में 8 पीली धातु के टुकड़े पाए। उसके पास मौजूद एक बैग में चार थैलियां थीं, जिनमें चिपकने वाले टेप में 20 पीली धातु के टुकड़े लिपटे हुए थे। बैग खोलने पर 11.3 किलोग्राम वजन के 28 सोने के टुकड़े मिले। इसी तरह, एक अन्य यात्री, 24 वर्षीय सईदा हुसैन भी उसी फ्लाइट से आई थी। उसके बैग में चिपकने वाले टेप का उपयोग करके 61 पीली धातु के टुकड़े छिपाए गए थे। सोने का वजन 21.4 किलोग्राम था। दोनों महिलाओं पर सीमा शुल्क अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया, उन्हें अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

प्रारंभिक पूछताछ के दौरान दोनों ने सोने के स्वामित्व से इनकार किया। वहीं महिला आब्दी काला के वकील प्रभाकर त्रिपाठी ने कहा कि मेरी मुवक्किल आठ महीने की गर्भवती है। वह गलत काम क्यों करेगी? उसे गलत तरीके से फंसाया गया है।

महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में भारी बारिश के बाद रहस्यमय तरीके से बहने लगा नीला पानी...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के धाराशिव जिले के म्हसला गांव में भारी बारिश के बाद नीले रंग के पानी के प्रवाह ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया. इस नीले पानी के प्रवाह का वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल होने के बाद इसकी चर्चा तेज हो गई. इसे देखने के लिए मौके पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी है. मौके पर निरीक्षण से पता चला कि यह नीली छटा वाला पानी होना कोई प्राकृतिक घटना नहीं है. एक अधिकारी ने बताया कि एक रंग का डिब्बा गलती से गिर गया और बारिश के पानी में मिल गया, जिससे पानी का रंग बदल गया. तुलजापुर तहसील के एक अधिकारी ने बताया, 'इलाके में बिजली गिरने की खबर है, लेकिन नीले रंग का पानी बहना रंग के डिब्बे में मौजूद सामग्री के साथ बारिश के पानी के मिल जाने का नतीजा है.'

मुंबई में बारिश को लेकर क्या है अपडेट

मौसम विभाग ने बताया कि सुबह आठ बजे तक बीते 24 घंटे के भीतर द्वीपीय शहर में 37.74 मिमी, पूर्वी मुंबई में 17.13 मिमी और पश्चिमी मुंबई में 12.39 मिमी बारिश दर्ज की गई. मंगलवार की सुबह आसमान बादलों से घिरा रहा, लेकिन शहर के अधिकतर हिस्सों में बारिश नहीं हुई. बृहन्मुंबई नगर निगम के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सोमवार की रात हुई बारिश से शहर में कोई भी बड़ा जलभराव होने की खबर नहीं है. अधिकारियों ने बताया कि यातायात सामान्य है. कुछ स्थानों पर यातायात धीमा है, और उप नगरीय रेल सेवाएं कुछ विलंब से चल रही हैं. दक्षिण-पश्चिम मानसून 11 जून की सामान्य तिथि से दो दिन पहले नौ जून को मुंबई पहुंचा.

मुंबई हवाईअड्डे एक नेपाली महिला गिरफ्तार, फर्जी पासपोर्ट की मदद से जा रही थी हंगरी

मुंबई : मुंबई हवाईअड्डे से एक 31 साल की महिला को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि नेपाल की रहने वाली महिला फर्जी पासपोर्ट की मदद से हंगरी जाने की कोशिश कर रही थी। सोमवार को छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर महिला के दस्तावेजों की जांच के दौरान अधिकारियों को शक हुआ। जांच के बाद पता लगा कि पासपोर्ट फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करके बनाया

गया था। सहार पुलिस थाने के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि जब अधिकारियों ने महिला से पूछताछ की तो वह कुछ जवाब नहीं दे पाई। महिला को आगे की जांच के लिए स्थानीय पुलिस थाने लाया गया, जहां पता चला कि उसने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कोलकाता में पासपोर्ट बनवाया था। अधिकारी ने बताया कि महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी सहित भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और पासपोर्ट अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का महौल...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में आगमी लोकसभा चुनाव को लेकर देश की सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपना रूख महाराष्ट्र की ओर कर लिया है। जहां एक बार फिर राजनीति में गर्माहट तब देखने को मिल रही है जब खबर ये सामने आ रही है कि एक बार फिर महाराष्ट्र में संबंधियों के बीच होने वाली राजनीतिक मुठभेड़ ने महौल गर्म कर दिया है।

एक बार फिर पवार बनाम पवार की लड़ाई

चाचा-भतीजे के बीच जंग

महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान एक बार फिर चाचा-भतीजे के बीच जंग देखने को मिल सकती है। इस जंग का मैदान भी राज्य का बारामती होगा। राज्य के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि शरद पवार अपने भतीजे अजित पवार के खिलाफ अपने भतीजे युगेंद्र पवार को मैदान में उतार सकते हैं। इसके साथ ही अजित पवार ने भले ही पिछले साल शरद पवार के खिलाफ बगावत की हो, लेकिन उनके सगे भाई के बेटे युगेंद्र ने शरद पवार के प्रति अपना समर्थन जताया है। लोकसभा चुनाव जीतने के बाद जब शरद पवार पहली बार बारामती पहुंचे तो उनके साथ युगेंद्र पवार भी मौजूद थे। दरअसल, पवार के लिए जनता से मिलने का यह कार्यक्रम युगेंद्र ने

ही आयोजित किया था। युगेंद्र अजित पवार के भाई श्रीनिवास पवार के बेटे हैं। इस मौके पर शरद पवार और युगेंद्र की एक साथ मौजूदगी ने महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में चर्चा छेड़ दी है कि क्या शरद पवार अब युगेंद्र को भी राजनीति में लाने वाले हैं।

शरद पवार ने खेला-खेल

हाल ही में लोकसभा चुनाव के दौरान मुकाबला शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले और अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के बीच था। हालांकि इस लड़ाई को भाभी और भाभी के बीच माना जा रहा था, लेकिन असल में यह लड़ाई शरद पवार और अजीत पवार के बीच थी। इस लड़ाई में बड़े पवार की जीत हुई, लेकिन आगामी विधानसभा चुनाव में खेल अलग हो सकता है। 2019 के विधानसभा चुनाव में अजित पवार ने 1 लाख 65 हजार वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी और उन्हें 83 प्रतिशत वोट मिले थे। ऐसे में अगर शरद पवार अजित पवार के खिलाफ युगेंद्र को उतारने की सोच रहे हैं, तो यह लड़ाई उनके लिए टेढ़ी खीर साबित हो सकती है। इसके सात ही युगेंद्र के साथ पवार परिवार के एक और सदस्य की महाराष्ट्र की राजनीति में एंट्री होगी। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी एक और पवार की एंट्री हुई थी, जब अजित पवार ने अपने बेटे पार्थ को मावल लोकसभा सीट से मैदान में उतारा था, लेकिन पार्थ वह चुनाव हार गए थे।

युगेंद्र ने ठोकी दावेदारी...

शरद पवार ने 2019 में लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद कुछ ऐसा ही किया था। नतीजे आने के बाद जब पवार ने पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की तो पहली बार उनके साथ रोहित पवार नजर आए। रोहित शरद पवार के पोते हैं। उस मौके के बाद रोहित अक्सर पार्टी के कार्यक्रमों में शरद पवार के साथ नजर आने लगे। उस साल हुए विधानसभा चुनाव में रोहित पवार को टिकट दिया गया और वे कर्जत-जामखेड सीट से विधायक चुने गए। अजीत पवार के साथ सार्वजनिक मंच पर युगेंद्र के नजर आने के बाद एनसीपी (शरदचंद्र पवार) कार्यकर्ताओं की मांग है कि उन्हें विधानसभा चुनाव में अजीत पवार के खिलाफ मैदान में उतारा जाए।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले बढ़ी रार... भाजपा के '400 पार' वाले नारे के कारण हारे - शिंदे

मुंबई : लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद महाराष्ट्र की बीजेपी-शिवसेना और एनसीपी की महायुति गठबंधन में अब रार बढ़ती दिख रही है. बीजेपी के गठबंधन सहयोगी शिवसेना के प्रमुख और राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ही अब उसे ताने मारने लगे हैं. वह राज्य में सत्ताधारी गठबंधन के खराब प्रदर्शन के लिए बीजेपी के 400 पार के नारे को जिम्मेदार बताने लगे हैं. एकनाथ शिंदे ने बीजेपी के '400 पार' वाले पर तंज कसते हुए कहा, 'बीजेपी ने '400 पार' का नारा दिया और लोकसभा चुनाव में 400 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य रखा, लेकिन कुछ इलाकों में इसे लेकर निगेटिव नैरेटिव सेट किया गया कि संविधान बदल दिया जाएगा और '400 पार' के लक्ष्य को इससे जोड़ दिया गया.'

बीजेपी के नारे के बताए साइड इफेक्ट

शिंदे ने इस नारे के साइड इफेक्ट बताते हुए कहा, 'लोगों ने विपक्ष की इस बात को ध्यान में रखा और इसका उल्टा असर हुआ. उनकी गाड़ी 300 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई. कई राज्यों में उन्हें बड़ा झटका लगा. इसी कारण से महाराष्ट्र में भी महायुति को वह सफलता नहीं मिली, जिसकी उसे उम्मीद थी.' शिवसेना प्रमुख ने कहा, 'बड़े पैमाने पर झूठे नैरेटिव और झूठी अफवाह लोगों में फैलाई गई कि संविधान बदला जाएगा, आरक्षण कम होगा. उसमें मुस्लिम होंगे, दलित होंगे और कई लोग होंगे. इसमें जो आज भ्रम पैदा किया गया यह जरूर लोगों के सामने आएगा. वोट बैंक की जो राजनीति हुई है, यह लोगों को पता चलेगी. निश्चित रूप से जिन्होंने वोट बैंक की राजनीति की है उनके असली चेहरे भी सामने आएंगे.' इसके साथ ही महाराष्ट्र के नतीजे पर एकनाथ शिंदे ने कहा, 'मैं यही कहूंगा कि हमारे शिवसेना का जो परफॉर्मेंस है, जो हमारा स्ट्राइक रेट है वह पहले से बेहतर हुआ है. हम 13 सीट लड़े और उसमें से 7 सीटें जीती. मुंबई में 2 लाख से ज्यादा वोट उनसे हमें ज्यादा मिला है. 90 प्रतिशत शिवसेना के वोट में से 40 प्रतिशत हमारे पास है. शिवसेना के बेस पर हमें वोट मिले हैं. इससे साफ जाहिर है की स्ट्राइक रेट में वोट शेयर में हम आगे हैं और लोग हमारे साथ हैं.' शिंदे के इन बयानों को प्रेशर पॉलिटिक्स के रूप में देखा जा रहा है. दरअसल महाराष्ट्र में शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के लोकसभा में 7 और राज्यसभा में एक सांसद हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली नवगठित सरकार में पार्टी को आयुष मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री का पद मिला है.

ठाणे में 27 मंजिला की चौथी मंजिल पर लगी आग... 1 व्यक्ति की मौत !

ठाणे: महाराष्ट्र के ठाणे शहर में 27 मंजिला एक आवासीय इमारत के एक फ्लैट में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। नगर निगम के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख वासीन तड़वी ने बताया कि तुलसीधाम सोसाइटी में इमारत की चौथी मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में मंगलवार की देर रात आग लग गई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद बालकुम से दमकलकर्मी और क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की टीम

मौके पर पहुंची। अधिकारी ने बताया कि बचावकर्मियों ने फ्लैट के एक कमरे में अरुण केडिया (47) नामक व्यक्ति को बेहोशी की हालत में पाया। उन्होंने बताया कि अरुण को एक निकटवर्ती अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि दो नाबालिगों सहित घर के चार अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि आग की वजह से कमरों में रखा फर्नीचर और घरेलू सामान जलकर राख हो गया। उन्होंने बताया कि आग पर तड़के चार बजकर 22 मिनट पर काबू पा लिया गया। तड़वी ने बताया कि आग लगने के तुरंत बाद इमारत में रहने वाले अन्य लोग अपने-अपने फ्लैट से बाहर निकल आये। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि, महाराष्ट्र के ठाणे शहर में बाते 3 जुन को एक आवासीय इमारत के एक अपार्टमेंट में आग लग गई थी। हालांकि, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ था। तब नगर निकाय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख वासीन तडवी ने बताया थी की रात करीब 8.30 बजे कलवा के मनीषा नगर इलाके में एक इमारत की पहली मंजिल पर एक अपार्टमेंट में आग लग गई थी ।

ठाणे में शराब के नशे में पिता ने नौ साल के बच्चे के मूंह में कागज की गेंद ठूंसकर मार डाला

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले से एक रौंगटे खड़े कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक पिता ने कथित तौर पर अपने नौ साल के बेटे के मुंह में कागज से बनी बॉल ठूंस दी, जिससे उसकी मौत हो गई। फिलहाल, पुलिस ने 59 साल के शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि साहापुर तालुका के कसारा इलाके के वाशाला में सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी रात को घटना हुई। घटना के समय आरोपी नशे में था।

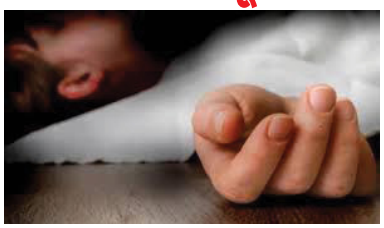

पुलिस नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने बताया कि पति और पत्नी के बीच में संबंध सही नहीं थे। दोनों में बहुत झगड़ा होता था। इसलिए दोनों अलग रह रहे थे। बच्चा अपनी मां के साथ रह था। सोमवार को अचानक लड़का घर से लापता हो गया था। उन्होंने बताया कि बच्चे की तलाश में पूरा परिवार जुट गया था। मंगलवार सुबह करीब आठ बजे बच्चा अपने पिता के घर के पास मरा हुआ मिला।

अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। बच्चे के मुंह में कागज से बनी गेंद थी। उसकी नाक से खून बह रहा था। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि पत्नी के चले जाने के बाद पति बहुत शराब पीने लगा था। उसने सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात शराब पी और कथित तौर पर नोटबुक के फटे हुए कागज से बनी गेंद लड़के के मुंह में ठूंस दी, जिससे उसकी मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि मृतक के एक रिश्तेदार की शिकायत के बाद आरोपी को मंगलवार रात गिरफ्तार कर लिया गया और उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

मोटरसाइकिल को ट्रक ने मारी टक्कर, मौत

नवी मुंबई : नवी मुंबई में ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी में कार्य करने वाले 22 वर्षीय युवक की मोटरसाइकिल को एक ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे युवक की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी है। एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार की शाम करीब साढ़े सात बजे अंजनीकुमार मौर्य खाद्य सामग्री की आपूर्ति करने के लिए बाइक से निकले थे। इस बीच खारघर इलाके में कोपरा के पास एक ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिसे कथित तौर पर विकास पाटिल चला रहा था। हादसे में बुरी तरह घायल मौर्य को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com